इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी राव तुलाराम जी की स्मृति में

तृतीय राज्य स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव

21 सितंबर, 2024, शनिवार

राव तुलाराम जी (1825-1863)

लोकगीत/रागनी प्रतियोगिता

हरियाणवी डांस प्रतियोगिता

चित्रकला/पेंटिंग प्रतियोगिता

आयोजक:

राव तुलाराम पीठ, छात्र कल्याण विभाग, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा

पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा

रेवाड़ी के विषय में:-

रेवाड़ी दक्षिणी हरियाणा के प्रसिद्ध शहरों में से एक है। यह भगवान श्री कृष्ण के अनुयायी यदुवंशियों से जुड़ा ऐतिहासिक स्थान है। करीब 5500 वर्ष पूर्व यहां के शासक राजा रेवत थे। राजा अपनी बेटी रेवती को प्यार से रेवा कहते थे। राजकुमारी रेवती का विवाह भगवान श्री कृष्ण के भाई बलराम दाऊ से हुआ था और विवाह के समय यह नगर उन्हें दहेज में दिया था। रेवाड़ी को पहले रेवा-वाड़ी कहा जाता था, जो बाद में समय के साथ बदलकर रेवाड़ी हो गया। रेवाड़ी शहर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से 80 किलोमीटर तथा हरियाणा राज्य की राजधानी चंडीगढ़ से 300 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। यह शहर रेलवे और राष्ट्रीय महा राजमार्गों के माध्यम से भारत के सभी हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। ऐतिहासिक शहर रेवाड़ी वीर क्रांतिकारी राव तुलाराम की कर्मभूमि रही है। प्राचीन काल से भी पीतल उद्योग यहां का प्रमुख व्यवसाय रहा है। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रामगढ़ मार्ग पर रेवाड़ी शहर से 15 किलोमीटर दूरी पर मीरपुर गांव में स्थित है।

विश्वविद्यालय के विषय में:-

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय का नाम पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के नाम पर रखा गया है। विश्वविद्यालय अधिनियम 2013 की संख्या 29 के तहत स्थापित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित है। अत्याधुनिक इमारत के साथ स्थापित विश्वविद्यालय लगभग 100 एकड़ भूमि में हरे भरे क्षेत्र में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है। इसमें लगभग 24 संकाय है। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय ज्ञान के साथ-साथ पद्धतिगत विश्लेषण और अनुसंधान पर व्यावहारिक अनुप्रयोग, व्यावहारिक प्रशिक्षण, वैश्विक और औद्योगिक प्रासंगिकता और उसके सामाजिक महत्व के माध्यम से छात्रों को तैयार करने में विश्वास रखता है। विश्वविद्यालय का मूल उद्देश्य छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर विभिन्न प्रकार के रोजगार परक एवं व्यावसायिक विकल्प देना, शोध कार्यों को बढ़ावा देना और श्रेष्ठ नागरिकों का निर्माण करना है।

राव तुलाराम पीठ के विषय में:-

राव तुलाराम पीठ की स्थापना इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में सन् 2016 में की गई। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी राव तुलाराम के नाम से स्थापित यह पीठ दक्षिण हरियाणा के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को संजोने, संरक्षित करने व इन पर होने वाले शोध को प्रोत्साहित करती है। पीठ प्रतिवर्ष

23 सितंबर को अमर सेनानी राव तुलाराम के बलिदान दिवस पर राज्य स्तरीय उत्सव का आयोजन करती है। इसी के साथ 9 दिसंबर को पीठ के द्वारा राव तुलाराम का जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया जाता है।

अमर सेनानी राव तुलाराम के विषय में:-

राव तुलाराम सिंह का जन्म 9 दिसंबर 1825 को रेवाड़ी के राजा राव पूरन सिंह व ज्ञान कौर के यहाँ हुआ था। राव तुलाराम एक महान योद्धा और स्वतंत्रता सेनानी थे। वह हरियाणा में 1857 के भारतीय विद्रोह के नेताओं में से एक थे, जहाँ उन्हें राज्य का नायक माना जाता है। 1857 की क्रांति में राव तुलाराम ने खुद को स्वतंत्र घोषित करते हुये राजा की उपाधि धारण कर ली थी। 1857 के विद्रोह काल मे, हरियाणा के दक्षिण-पश्चिम इलाके (अहीरवाल) से सम्पूर्ण बिटिश हुकूमत को अस्थायी रूप से उखाड़ फेंकने तथा दिल्ली के ऐतिहासिक शहर में विद्रोही सैनिको की, सैन्य बल, धन व युद्ध सामाग्री से सहता प्रदान करने का श्रेय राव तुलाराम को जाता है। 16 नवम्बर 1857 को, उन्होंने स्वयं ब्रिटिश सेना से नसीबपुर- नारनौल में युद्ध किया, और ब्रिटिश सेना को कड़ी टक्कर दी तथा ब्रिटिश सेना के कमांडर जेरार्ड और कप्तान वालेस को मौत के घाट उतर दिया। अंग्रेजों से भारत को मुक्त कराने के उद्देश्य से एक और युद्ध लड़ने हेतु मदद के लिए उन्होंने भारत छोड़ा तथा ईरान और अफगानिस्तान के शासकों से मुलाकात की, रूस के ज़ार के साथ सम्पर्क स्थापित करने की उनकी योजनाएँ थीं। इसी मध्य 37 वर्ष की आयु में 23 सितंबर 1863 को काबुल में पेचिश से उनकी मृत्यु हो गई। हर वर्ष 23 सितम्बर को हरियाणा में उनकी याद में शहीदी दिवस मनाया जाता है। 23 सितम्बर 2001 को भारत सरकार ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी महाराजा राव तुलाराम की स्मृति में डाक टिकट जारी किया था।

सांस्कृतिक महोत्सव के विषय में:-

राव तुलाराम पीठ द्वारा प्रतिवर्ष सितंबर माह में अमर सेनानी राव तुलाराम की स्मृति में एक राज्य स्तरीय उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में प्रदेश के विद्यार्थी बड़ी संख्या में हिस्सा लेते है। इस वर्ष आयोजन में विद्यार्थियों के साथ साथ पेशेवर कलाकारों को भी महोत्सव में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया है। जिसमे विजेताओं को नक़द पुरस्कार के साथ स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।

प्रतियोगिता श्रेणियां:-

1. **Professional (पेशेवर):-** इस श्रेणी में कोई भी पेशेवर कलाकार भाग ले सकता है।

2. **Students (विद्यार्थी):-** इस श्रेणी में भाग लेने के लिए प्रतिभागी किसी विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय आदि का नियमित छात्र/छात्रा होने चाहिए, जिनकी आयु 25 वर्ष से कम उम्र की है। अगर किसी विद्यार्थी की आयु 25 वर्ष से अधिक है तो वे पेशेवर की श्रेणी में भाग ले सकते है।

प्रतियोगिताओं के विषय (थीम):-

1. **हरियाणवी समूह नृत्य :-** हरियाणा की गौरवशाली संस्कृति/इतिहास/सैनिक परंपरा
2. **रागिनी/ लोकगीत :-** शहीद शिरोमणि राव तुलाराम का जीवन/संग्राम/बलिदान
3. **चित्रकला/पेंटिंग :-** नसीबपुर का युद्ध/शहीद शिरोमणि राव तुलाराम का जीवन/संग्राम/बलिदान

प्रतियोगिताओं के नियम:-

- **हरियाणवी समूह नृत्य**

1. प्रति संस्थान से केवल एक प्रविष्टि की अनुमति है।
2. प्रत्येक टीम में न्यूनतम 8 व अधिकतम 10 प्रतिभागी हो सकते हैं।
3. टीम में सभी लड़के, सभी लड़कियां या दोनों का मिश्रण हो सकता है।
4. संगीतकारों की स्वीकार्य संख्या पांच है (2 गायक व 3 वादनकार)
5. प्रदर्शन की अवधि न्यूनतम 8 व अधिकतम 10 मिनट होगी ।
6. वाद्य यंत्र/Stage Setting के लिए अधिकतम 5 मिनट का समय है।
7. संगीत लाईव या रिकॉर्ड दोनों प्रकार से मान्य होगा, रिकॉर्ड म्यूजिक के साथ संगीतकार नहीं हो सकते।

- **रागिनी/लोकगीत**

1. प्रस्तुति रागिनी/लोकगीत होनी चाहिए।
2. प्रदर्शनी की अवधि 3 से 5 मिनट है।
3. संगत संजीव होना चाहिए (Recorded Music Not Allowed) ।
4. अधिकतम 3 संगीतकारों की अनुमति है।
5. निर्णय ताल रचना और प्रस्तुति जैसे गुणों पर आधारित होगा।

- **चित्रकला**

1. सभी प्रतिभागी अपनी पेंटिंग शीट साथ लेकर आए, शीट का साइज **24x18 Inch** से अधिक होना चाहिए।
2. सभी प्रतिभागी रंग, ब्रश व आवश्यक वस्तु अपने साथ लाएं।
3. प्रोफेशनल प्रतिभागी की समय अवधि अधिकतम 7 घंटे होगी व प्रतियोगिता प्रातः 09 बजे आरम्भ कर दी जाएगी।
4. विद्यार्थी प्रतिभागी की समय अवधि अधिकतम 4 घंटे रहेगी व प्रतियोगिता प्रातः 10 बजे आरम्भ कर दी जाएगी।

नगद पुरस्कार:-

	श्रेणी	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1. राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता	Professional	11,000/-	5,100/-	2,100/-
2. राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता	Student	3100/-	2100/-	1,100/-
3.राज्य स्तरीय लोकगीत रागनी प्रतियोगिता	Professional	5,100/-	4,100/-	3,100/-
4.राज्य स्तरीय लोकगीत रागनी प्रतियोगिता	Student	3,100/-	2,100/-	1,100/-
5.राज्य स्तरीय हरियाणवी समूह नृत्य प्रतियोगिता	Open	11,000/-	5,100/-	2,100/-

नोट:-

- महोत्सव में निःशुल्क पंजीकरण के लिए प्रतिभागी/टीम अपना समस्त विवरण (Name, Father's Name, Event, Category (Student/Professional), Mobile No., Email Id, Name of School /College/University/Institution/संस्था etc.) ईमेल के माध्यम से **dean.dsw@igu.ac.in** पर दिनांक 20 सितम्बर तक भिजवाना सुनिश्चित करे।
- विद्यार्थी के लिए संस्थान के मुखिया द्वारा अनुमोदन पत्र (Official Forwarding Letter) ईमेल के साथ भिजवाना ज़रूरी है।

संपर्क सूत्र :- रविंद्र - 7015485348 एवं राकेश – 7056159000